



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 12-05-2023

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-05-12 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-05-13	2023-05-14	2023-05-15	2023-05-16	2023-05-17
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	1.0
अधिकतम तापमान(से.)	43.0	45.0	45.0	43.0	42.0
न्यूनतम तापमान(से.)	24.0	24.0	24.0	24.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	22	27	40	66	62
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	6	7	12	20	25
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	16	22	32	28	28
पवन दिशा (डिग्री)	240	226	226	229	233
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	1	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 42.0 से 45.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 24.0 से 25.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

जिन किसानों के पास सिंचाई की सुविधा है एवं आगामी रबी की फसल में जीरा लगाना चाहते हैं तो उस खेत में सरसों की फलकटी 2.5 टन व 0.5 टन सरसों की खली प्रति हेक्टर का भुरकाव करके तवीये निकाल कर एक सिंचाई तेज गर्मी के समय दें ताकि फलकटी व खल के सड़ने से जो गैस निकले उससे उखटा रोग की फंफूद अभी ही खत्म हो जाएं।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले दिनों में तापमान में बढ़ोतरी होने के साथ लू चलने की सम्भावना है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	उच्च तापमान और लू की स्थिति को देखते हुए जानवरों को छाया में रखें और निर्जलीकरण से बचाने के लिए दिन में 3-4 बार पीने का पानी दें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	उच्च तापमान और लू की स्थिति को देखते हुए किसान भाई सब्जियों व बागानों में अतिरिक्त सिंचाई अवश्य दे। सब्जियों व बागानों में वाष्पीकरण द्वारा जल की हानि को कम करने के लिये घास फूस व पालिथीन आदि की पलवार का प्रयोग करें।
सामान्य सलाह	किसान भाई इस मौसम में बेल वाली फसलों में न्यूनतम नमी बनाए रखें अन्यथा मृदा में कम नमी होने से परागण पर असर हो सकता है जिससे फसल उत्पादन में कमी आ सकती है।
सामान्य सलाह	मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी ग्रीष्मकालीन जुताई कर खेत को खुला छोड़ दे जिससे खरपतवार, एवं कीटों के अवशेष नष्ट हो सकें तथा मानसून के समय वर्षा के पानी का अवशोषण अधिक से अधिक हो सके।